दैनिक
जनवाणी
मेरठ, शुक्रवार, 16 दिसम्बर 2011

चक्कर की प्रस्तुति देतीं कथक नृत्यांगना महुआ शंकर। ▸▸ छाया : जनवाणी

प्रदेश की पहचान है कथक : महुआ

स्पिक मैके में प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना की जबर्दस्त प्रस्तुति, तिहाई और टुकड़ा प्रस्तुत कर युवाओं की तालियां

● मुख्य संवाददाता, मुजफ्फरनगर

कथक सही मायने में उत्तर प्रदेश का नृत्य है और इसे नए आयाम देने का श्रेय अवध के नवाब वाजिद अली शाह को जाता है। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से ठीक पहले वाजिद अली शाह के दरबार में नृत्य की महफिल जमा करती थी और वहीं से कथक नृत्य ने अपने वर्तमान स्वरूप को पाया। यह जानकारी खुद देश के मशहूर कथक नृत्यांगना महुआ शंकर ने युवाओं को दी। उन्होंने यहां सरकुलर रोड स्थित एसएफडीएवी पब्लिक स्कूल में स्पिक मैके के कार्यक्रम में शानदार प्रस्तुति दी और सैकड़ों की संख्या में आए स्कूली बच्चों और युवाओं को अपने नृत्य से मोहित कर लिया।

महुआ शंकर का मुजफ्फरनगर में यह तीसरा आगमन है। इससे पहले उन्होंने कुछ साल पहले बघरा के नवोदय विद्यालय और स्टेपिंग स्टोंस स्कूल में भी अपने कार्यक्रम किए थे। समय के साथ-साथ महुआ के नृत्य में भी परिपक्वता आई है। अब उनके नृत्य में एक नवयुवती जैसी ऊर्जा भले ही न हो, लेकिन नृत्य की पराकाष्ठा उनकी प्रस्तुतियों में नजर आने लगी है। कुछ साल पहले जिस ऊर्जा के साथ नवोदय विद्यालय में वे नाची थीं, उसके मुकाबले उनकी गुरुवार की प्रस्तुति बहुत ही सधी हुई और संपूर्णता के निकट थी। कार्यक्रम की शुरुआत में ही महुआ ने उपस्थित बच्चों व युवाओं को कथक नृत्य के विकास के बारे में बताया। महुआ ने बताया कि उनके गुरु पद्म विभूषण पं. बिरजू महाराज के दादा पं. बिंदादीन महाराज वाजिद अली शाह के दरबार में राजनर्तक के पद पर थे। इसके बाद उन्होंने 'गुरु चरनन में शीश नवाऊं' के साथ गुरु वंदना करके कार्यक्रम शुरू किया। उनकी शिष्या उष्मिता कौशिक भी साथ थीं। प्रस्तुति को उन्होंने उस समय और रोचक बना दिया जब उन्होंने चिड़िया, सांप, हिरन, गाय और शेर की चाल बताते हुए विभिन्न तालों को सहजता से समझाया। 16 मात्राओं की तान ताल में मनोहारी 'तिहाई' प्रस्तुत करके उन्होंने जबर्दस्त तालियां बटोरीं। नृत्य में एक 'टुकड़ा' प्रस्तुत कर 21 चक्कर दिखाकर उन्होंने सबको दंग कर दिया। विशेष पसंद पर उन्होंने 'माखन चोरी' पर आधारित एक 'गत न्यास' भी प्रस्तुत किया। रोमिन डेका एवं नुपुर शंकर के गाए 'ए री सखी' दादरा में उन्होंने अभिनय अंग को भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन 'राग दरबारी' के तराना पर आधारित नृत्य रचना से किया। उन्होंने तबले पर सलमान खां साहब के साथ सवाल-जवाब की चुगलबंदी भी प्रस्तुत की। इससे पहले महुआ शंकर और स्कूल की प्रधानाचार्य रेणू शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। कलाकारों को चौ. छोटूराम डिग्री कालेज के प्राचार्य डॉ. नरेश मलिक, मृदुला मित्तल, मीनू कुमार तथा पम्मी ने भेंट प्रदान कर स संचालन कर रहीं प्राची पंवार ने सबका नवोदय विद्यालय के प्रधानाचार्य बीएस सें एएन कौल, अभिनव सुशील, स्पिक मै कार्यकारिणी के सदस्य आरएम तिवारी के पब्लिक, डीएवी कालेज आदि के छात्र मौजूद थे। डॉ. एनएन पंत, सुनयना, राहु मोनिका आदि ने आयोजन में सहयोग दि

एसएफडीएवी पब्लिक स्कूल में स्पिक मैके द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति के दौरान विभिन्न भाव भंगिमाएं देतीं महुआ शंकर। ▸▸